International Journal of Education, Modern Management, Applied Science & Social Science (IJEMMASSS)
ISSN : 2581-9925, Impact Factor: 6.882, Volume 04, No. 03(I), July - September, 2022, pp. 164-166

मध्य प्रदेश पर्यटन उद्योग का आर्थिक विकास पर प्रभावः एक विश्लेषणात्मक अध्ययन

अरूणेश शुक्ला*

सार

वर्तमान में मध्यप्रदेश को एक महत्वपूर्ण आर्थिक क्षेत्र माना जाता है जो भारत के कई राज्यों के विकास को प्रभावित करता है। पर्यटन एक विपणन योग्य उत्पाद प्रदान करता है। जो बाहर से कच्चे माल पर निर्भर नहीं करता है। यह पत्र पर्यटन और संसाधन विकास के लिए समस्याओं और नीतियों का विश्लेषण करता है। जिसे पर्यटन के भविष्य के विकास में काफी संभावनाएं हैं। आतिथ्य जिसने ऊपर मध्य प्रदेश पर्यटन का निर्माण किया गया है वह मध्यप्रदेश के लिए स्वदेशी है।

शब्दकोश : *विपणन योग्य उत्पाद, पर्यटन और संसाधन विकास, सांस्कृतिक विविधता, रोजगार सृजन।*

प्रस्तावना

पर्यटन मानव जाति का एक क्षेत्र है जो मानव जाति के लिए प्राचीन काल से जाना जाता है। यह जाति रंग पंथ की बाधाओं को काटता है और सर्वभोमिक भाईचारे का निर्माण करता है। दुनिया का सबसे पुराना उद्योग भी आज सबसे बड़े और सबसे तेजी से बढ़ते उद्योग में से एक है। कई लोगों का मानना है कि पर्यटन एक सेवा उद्योग है जो घर से दूर होने पर आगंतुकों की देखभाल करता है। अतिथि देवो भव आ इस मूल मंत्र को पर्यटन का आधार मानकर मध्य प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने का सरकार पूरा प्रयास कर रही है। मध्यप्रदेश वैसे भी पर्यटन क्षेत्र एवं सांस्कृतिक कलाओं से भरा प्रदेश है। यहां कई प्रकार के भौगोलिक संरचना मौसमी बिताएं सांस्कृतिक विविधता एवं रीति–रिवाजों में भिन्नताए देखने को मिलती हैं। मध्य प्रदेश कई धर्मों की जन्मस्थली भी है। मध्य प्रदेश भारत के केंद्र में स्थित है जिससे अक्सर पर्यटन का केंद्र कहा जाता है। स्मारकों अति सुंदर नक्काशी दार मंदिरों स्तूपोर किलो और महलों को राज्य का दर्जा दिया गया है।

पर्यटन मध्य प्रदेश के आर्थिक विकास और रोजगार सृजन का एक महत्वपूर्ण कारक है। पर्यटन क्षेत्र के महत्त्व को इसी बात से समझा जा सकता है कि दुनिया के करीब डेढ़ सौ देशों में विदेशी मुद्रा की कमाई करने वाले पाँच प्रमुख क्षेत्रों में पर्यटन भी एक है। पर्यटन को आर्थिक विकास और रोज़गार सृजन का एक सशक्त माध्यम माना जाता है। पर्यटन क्षेत्र मध्य प्रदेश के शीर्ष सेवा उद्योगों में से एक है। इसका महत्त्व आर्थिक विकास और विशेष तौर पर मध्य प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में रोज़गार सृजन के एक माध्यम के रूप में महत्त्वपूर्ण है।

मध्य प्रदेश में कम दक्षता और अर्द्धदक्षता वाले श्रमिकों को रोज़गार प्रदान करने वाला दूसरा बड़ा क्षेत्र पर्यटन को माना है। इस क्षेत्र में काम करने वालों में लगभग 70 प्रतिशत महिलाएँ हैं। वैश्विक स्तर पर भी अन्य क्षेत्रों के मुकाबले पर्यटन क्षेत्र में लगभग दोगुनी संख्या में महिलाएँ कार्यरत हैं। इस दृष्टि से पर्यटन क्षेत्र समाज में समानता तथा सामाजिक न्याय को समर्थन देने का भी माध्यम है।पर्यटन से होने वाली आय से मध्य प्रदेश की अर्थव्यवस्था को काफी मदद मिलती है।

---

* जनभागीदारी अतिथि विद्वान, शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा, मध्य प्रदेश।

इस वैविध्यपूर्ण प्राकृतिक देन की वजह से मध्य प्रदेश एक बेहद खूबसूरत हर्राभरा हिस्सा बन कर उभरता है। जैसे एक हरे पत्ते पर ओस की बूंदों सी झीलें, एक दूसरे को काटकर गुजरती पत्ती की शिराओं सी नदियां। इतना ही विहंगम है मध्य प्रदेश जहाँ, पर्यटन की अपार संभावनायें हैं। यहाँ की संस्कृति प्राचीन और ऐतिहासिक है।

मध्यप्रदेश का एक तिहाई हिस्सा वन संपदा के रूप में संरक्षित है। जहां पर्यटक वन्यजीवन को पास से जानने का अदभुत अनुभव प्राप्त कर सकते हैं। कान्हा नेशनल पार्क,बांधवगढ़, शिवपुरी आदि ऐसे स्थान हैं जहां आप बाघ, जंगली भैंसे, हिरणों, बारहसिंघों को स्वछंद विचरते देख पाने का दुर्लभ अवसर प्राप्त कर सकते हैं।

मध्यप्रदेश के हर इलाके की अपनी संस्कृति है और अपनी धार्मिक परम्पराएं हैं जो उनके उत्सवों और मेलों में अपना रंग भरती हैं। खजुराहो का वार्षिक नृत्यउत्सव पर्यटकों को बहुत लुभाता है और ओरछा और पचमढ़ी के उत्सव व यहाँ कि समृद्ध लोक और आदिवासी संस्कृति को सजीव बनाते हैं।

पर्यटन मध्य प्रदेशमें रहने वाले लोगों के जीवन–स्तर तथा रहन–सहन की स्थिति में महत्वपूर्ण सुधारलाए जाने के साथ ही रोजगार – सृजन का भी महत्वपूर्ण कार्य करता है। पर्यटन से स्थानीय कर प्राप्तियों के रूप मेंअर्थव्यवस्था को जो लाभ होता है, उससे सामाजिकनिर्धनता उन्मूलन, शिक्षा, स्वास्थ्य, सेवा, आवास, पेयजल ,तथा स्वच्छता ,मनोरंजन ,के अनेक अवसरोंआदि आधारभूत सेवाओं की व्यवस्थाओं को वास्तविकता मेंसाकार किया जा सकता है। यही नही सामाजिकअसमानताओं को दूर करने की दृष्टि से भी पर्यटन सकारात्मक प्रभाव डालता है। पर्यटन पर्यावरण की गुणवत्ता बढ़ाने, अधिक रोजार सृजन करने के लिए प्रोत्साहन देता है। साथ ही साथ अर्थव्यवस्था के विकास को भी अभिप्रेरित करता है।

उद्देश

इस अध्ययन का उद्देश्य इस प्रकार हैः

- पर्यटन उद्योग का अध्ययन करना
- मध्य प्रदेश में पर्यटन उद्योग के विकास की जानकारी प्राप्त करना
- मध्य प्रदेश में पर्यटन उद्योग के विकास एवं आर्थिक स्थिति पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन करना
- मध्य प्रदेश में पर्यटन उद्योग के विकास में रुकावट डालने वाली समस्याओं का अध्ययन करना
- मध्य प्रदेश पर्यटन उद्योग को आर्थिक विकास से जोड़ने हेतु सुझाव देना।

परिकल्पना

हमारा अध्ययन निम्नलिखित परिकल्पना पर आधारित रहा हैः

- पर्यटन को उद्योग का रूप देना सही होगा
- मध्य प्रदेश में पर्यटन विकास की अपार संभावनाएं हैं
- मध्य प्रदेश में पर्यटन उद्योग के विकास से आर्थिक स्थिति पर प्रभाव पड़ता है
- मध्य प्रदेश के आर्थिक विकास में पर्यटन उद्योग सहायक सिद्ध होगा
- मध्य प्रदेश पर्यटन उद्योग के विकास में बाधाएं हैं उनका पता लगाकर निराकरण करना संभव है

शोध की प्रस्तावित विधि

प्रस्तुत शोध अध्ययन में विभिन्न विभागों से संबंधित महत्वपूर्ण तथ्य एवं आंकड़े प्राथमिक तथा वित्तीय दोनों सूत्रों के माध्यम से एकत्रित किए गए हैं

आंकड़ों का संकलन 2 प्रश्नावली ओं के माध्यम से किया गया है। पहली प्रश्नावली पर्यटक को हेतु तथा दूसरी प्रश्नावली होटल एवं रेस्टोरेंट संचालकों टूर ऑपरेटरों ट्रैवल एजेंट पर्यटक गाइड पर्यटन विशेषज्ञ तथा अन्य पर्यटन व्यवसाय हेतु बनाई गई हैं।

द्वितीय संबंधों का संकलन पत्र–पत्रिकाओं पुस्तके ग्रंथों इंटरनेट में प्रकाशित व्यापारिक एवं गैर व्यापारिक पर्यटन पत्रिकाओं एवं विश्व पर्यटन संगठन की रिपोर्टों के माध्यम से किया गया है।

परिणाम

प्रस्तुत शोध में परिकल्पना ओं के आधार पर हमने अध्ययन करके निम्न परिणाम प्राप्त किए हैं जो इस प्रकार हैंः–

- पर्यटन को उद्योग का रूप देना सही होगा इसे 72 प्रतिशत लोगों ने सही माना और 28 प्रतिशत लोगों का यह मानना है कि पर्यटन को उद्योग का रूप नहीं दिया जा सकता।
- मध्य प्रदेश में पर्यटन विकास की अपार संभावनाएं हैं इस कथन को 50 प्रतिशत लोगों ने सही माना व 50 प्रतिशत लोगों ने इसे सही नहीं माना।
- मध्यप्रदेश में पैटर्न उद्योग के विकास से आर्थिक स्थिति पर प्रभाव पड़ता है 60 प्रतिशत लोगों ने सही माना जबकि 40 प्रतिशत लोगों का कहना है कि मध्य प्रदेश में पर्यटन उद्योग के विकास से आर्थिक स्थिति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है
- मध्य प्रदेश के आर्थिक विकास में पर्यटन उद्योग सहायक सिद्ध होगा इस बात को लेकर लोगों से साक्षात्कार करने पर 80 प्रतिशत लोगों ने इसको सही बताया है जबकि 20 प्रतिशत लोगों का मानना है कि यह सही नहीं है।
- मध्य प्रदेश पर्यटन उद्योग के विकास में बाधाएं हैं उनका पता लगा का निराकरण करना संभव है इस बात पर लोगों से साक्षात्कार करने पर 65 प्रतिशत लोगों ने इसको सही माना है वह 35 प्रतिशत लोगों का कहना है यह संभव नहीं है।

सुझाव

प्रस्तुत शोध का अध्ययन करने पर जो भी समस्याएं सामने आई वह निम्न प्रकार से हैंः–

यातायात व्यवस्था सही ना होने के कारण पर्यटन का विकास संभव नहीं है

पर्यटन का विकास करने के लिए यातायात व्यवस्था को सही किया जाए वजन पर्यटन स्थलों को लोगों को जानकारी नहीं है उनका प्रचार प्रसार कर लोगों को उन पर्यटन स्थलों के बारे में जानकारी अवगत कराई जाए जिससे पर्यटन का विकास संभव हो सकें।

❖◆❖